सामाजिक विज्ञान

कक्षा 8

(इतिहास)

Chapter 2: व्यापार से साम्राज्य तक

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित के जोड़े बनाएँ:

दीवानी	**टीपू सुल्तान**
"शेर-ए-मैसूर	**भू-राजस्व वसूल करने वाला**
फौजदारी अदालत	**सिपॉय**
रानी चेन्नम्मा	**भारत का पहला गर्वनर**
सिपाही	**फौजदारी अदालत**
वारेन हेस्टिंग	**कित्तूर में अंग्रेज-विरोध किया**

उत्तर:

दीवानी	भू-राजस्व वसूल करने
"शेर-ए-मैसूर	टीपू सुल्तान
फौजदारी अदालत	फौजदारी अदालत
रानी चेन्नम्मा	कित्तूर में अंग्रेज-विरोध
सिपाही	सिपॉय
वारेन हेस्टिंग	भारत का पहला गर्वनर

प्रश्न 2. रिक्त स्थान भरें :
(क) बंगाल पर अंग्रेजों की जीत_____की जंग से शुरू हुई थी।
(ख) हैदर अली और टीपू सुल्तान_____ के शासक थे।
(ग) डलहौजी ने_____का सिद्धांत लागू किया।
(घ) मराठा रियासतें मुख्य रूप से भारत के_____भाग में स्थित थी ।
उत्तर: (क) प्लासी
(ख) मैसूर
(ग) विलय
(घ) पश्चिमी

प्रश्न 3. सही या गलत बताएँ :
(क) मुग़ल साम्राज्य अठारहवीं सदी में मजबूत होता गया |
(ख) इंग्लिश इष्ट इंडिया कंपनी भारत के साथ व्यापार करने वाली एकमात्र यूरोपीय कंपनी थी ।
(ग) महाराजा रणजीत सिंह पंजाब के राजा थे |
(घ) अंग्रेजों ने अपने कब्जे वाले इलाकों में कोई शासकीय बदलाव नहीं किए।

उत्तर: (क) गलत। (ख) गलत। (ग) सही। (घ) गलत

प्रश्न4. यूरोपीय व्यापारिक कंपनियाँ भारत की तरफ क्यों आकर्षित हो रही थी ?
उत्तर: यूरोपीय व्यापारिक कंपनियाँ भारत की तरफ आकर्षित होने के निम्न कारण थे ।
(i) यूरोप के बाजारों में भारत के बने बारीक़ सूती कपडे और रेशम की जबरदस्त मांग थी।
(ii) इनके अलावा वहां काली मिर्च, लौंग, इलाइची और दालचीनी की मांग थी ।
(iii) यहाँ से सस्ते कीमतों पर वस्तुएँ खरीद कर उसे महँगे दामों पर बेच देते थे जिससे उन्हें अधिक मुनाफा होता था ।

प्रश्न 5. बंगाल के नवाबों और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच किन बातों पर विवाद थे?

उत्तर: (i) बंगाल के नवाबों ने कंपनी को व्यापार में रियायत देने से मना कर दिया।
(ii) वे व्यापार का अधिकार देने के बदले कंपनी से नजराने मांगते थे।
(iii) कम्पनी को सिक्के डालने का अधिकार नहीं दिया गया।
(iv) उसकी किलेबंदी को बढ़ाने से रोक दिया।
(v) ईस्ट इंडिया कंपनी टैक्स चुकाने को तैयार नहीं थी ।
(vi) अंग्रेजी अफसरों ने उनके लिए अपमान जनक चिट्ठियां लिखी।

प्रश्न 6: दीवानी मिलने से ईस्ट इन्डिया कंपनी को किस तरह फायदा पहुँचा ?
उत्तर: दीवानी मिलने से ईस्ट इन्डिया कंपनी को निम्न तरह से फायदा हुआ।
(i) दीवानी मिलने से कम्पनी को बंगाल के विशाल राजस्व संसाधनों पर नियंत्रण मिल गया।
(ii) कंपनी को अब ब्रिटेन से सोना लाने की जरूरत नहीं पड़ती थी।
(iii) राजस्व की कमाई से कम्पनी भारत में सूती और रेशमी कपड़ा खरीद सकती थी।
(iv) कम्पनी के मुनाफे से ही किलों एवं दफतरों का खर्च उठा सकती थी ।

प्रश्न 7. "सब्सिडियरी एलायंस" (सहायक संधि) व्यस्था की व्याख्या करे ।
उत्तर: (i) सहायक संधि को लार्ड वैलज्ली ने शुरू किया। जो रियासत इसको मान लेती थी उसे अपनी स्वतंत्र सेनाएं रखने का अधिकार नहीं मिलता था। उसे कम्पनी के तरफ से सुरक्षा मिलती थी और सहायक सेना के रख-रखाव के लिए कम्पनी को पैसा देते थे। अगर भारतीय शासक रकम देने से चुक जाते तो जुर्माने के तौर उनका इलाका कंपनी अपने कब्जे में ले लेती थी।

प्रश्न 8. कंपनी का शासन भारतीय राजाओं के शासन से किस तरह अलग था ?
उत्तर: (i) कंपनी का शासन मोटे तौर पर प्रशासनिक इकाइयों में बटा हुआ था जिन्हें प्रेजीडेंसी कहा जाता था।
(ii) उस समय तीन प्रेसिडेंसी थी- बंगाल, मद्रास और बंबई। इनका प्रशासक गवर्नर होता था।
(iii) सबसे ऊपर गवर्नर जनरल होता था।
(iv) हर जिले में फौजदारी और दीवानी अदालतें बनाईं गई।
(v) जिले में कलेक्टर सबसे बड़ा पद होता था जिसका काम लगान और कर इकट्ठा करना तथा कानून व्यवस्था को बनाए रखना होता था।

प्रश्न 9. कंपनी की सेना की संरचना में आये बदलावों का वर्णन करें।
उत्तर: (i) कंपनी ने सेना में पेशेवर सैनिकों की भर्ती शुरू की।
(ii) उन्होंने पैदल टुकड़ियों को अधिक विकसित किया।
(iii) इन सिपाहियों को यूरोपीय तकनीक से प्रशिक्षण, अभ्यास और अनुशासन सिखाया जाने लगा।